an>

Title: Need to construct a memorial in the name of Dr. Rajendra Prasad in his native village Zaradai, Siwan District, Bihar.

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): अध्यक्ष महोदया, आज देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी का जन्मदिन है। राजेन्द्र चिंतन समिति उनका प्रोग्राम, संसद परिसर के बाहर जो मूर्ति है, वहां मना रही है और सैंट्रल हाल में भी आपने राजेन्द्र प्रसाद जी के चित्र को पुष्पांजलि दी है, माल्यार्पण किया है। राजेन्द्र चिंतन समिति का एक सुझाव है। मेरा यह कहना है कि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की पैतृक गांव जिरादेई, जिला सिवान, बिहार में स्थित है। अभी चुनाव के दौरान मुझे भी उस गांव में विजिट करने का अवसर मिला। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी द्वारा उपयोग में ली गयी और उनके जीवन से जुड़ी वस्तुएं अस्तव्यवस्थ अवस्था में उनके पैतृक गांव में पड़ी हुई हैं। यद्यपि आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा उनके घर को संरक्षित स्मारक घोषित कर रखा है और एएसआई का एक अधिकारी भी तैनात कर रखा है। लेकिन इन सबके बावजूद डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी के जीवन का त्याग और तपस्या को देखते हुए उनके पैतृक घर में एक म्यूजियम बनाने की मांग वर्षों से विचाराधीन है, लेकिन अभी तक कोई सकारात्मक कार्रवाई इस संबंध में नहीं हुई है।

मेरी आपके माध्यम से भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय से मांग है कि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी के जिरादेई स्थित उनके पैतृत गांव में एक उचित स्थान पर, जो उनका पैतृक निवास है, वहां पर एक म्यूजियम की स्थापना की जाये, जिससे उनके जीवन की महत्वपूर्ण झलकियां उपलब्ध हो सकें, ताकि नौजवान और भावी पीढ़ी उनके जीवन से प्रेरणा प्राप्त कर सकें।

अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री रोड़मल नगर,

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल,

श्री सी.आर. चौधरी,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री देवजी.एम. पटेल,

कुमारी सुष्मिता देव,

श्री राम चरित्र निषाद,

श्री अश्विनी कुमार चौबे,

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,

श्री राजीव सातव और

श्री केशव प्रसाद मौर्य को श्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

13.00 hours

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजीव प्रताप रूडी): माननीय अध्यक्ष जी, आज हम सबने सैंट्रल हॉल में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी की जयंती के अवसर पर माला अर्पण की है जिसमें माननीय अध्यक्ष महोदया और माननीय प्रधानमंत्री जी थे। यह मांग वर्षों से लंबित मांग है। हमने सारन में माननीय जय प्रकाश जी के जन्म स्थान पर राष्ट्रीय स्मारक बनाने की बात कही है। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी कास्टीटुएंट असैम्बली के मैम्बर थे और संविधान बनाने में उनकी अहम भूमिका रही है। उन्होंने देश के पहले राष्ट्रपति का पदभार संभाला था। मेघवाल जी ने जो विषय उठाया है, निश्चित रूप से सरकार इसका संज्ञान लेगी और हर संभव राष्ट्रीय स्मारक बनाने के दृष्टिकोण से जो कार्यवाही की जा सकती है, करेगी।

श्री भर्तृहरि महताब (कटक) : सदागत आश्रम के बारे भी सोचिए, जहां वह ठहरे थे और राष्ट्रपति पद से हटने के बाद भी वहां रहे थे।

श्री राजीव प्रताप रूडी: अभी वहां कांग्रेस का कार्यालय है। उसे खाली करके अगर कोई विचार बनता है...

माननीय अध्यक्ष : इस पर बाद में चर्चा करेंगे।

श्री भर्तृहरि महताब: यह नेशनल प्रापर्टी है।

श्री राजीव प्रताप रूडी: यह नेशनल प्रापर्टी है तो कांग्रेस के सदस्यों से बाद में चर्चा की जा सकती है।